# समर एक्सप्रेस

www.summerexpress.in

सूर्योदय सुबह 6:21 बजे
सूर्यास्त शाम 5:59 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-2 • अंक-31 • पृष्ठ-8 • मूल्य-5 रूपये • शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 • चंडीगढ़ • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर • एग्जीक्यूटिव एडिटर : नितिन उपमन्यु


**75 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट से निधन, पुणे के डोंजे गांव स्थित फार्महाउस में राजकीय सम्मान से हुआ अंतिम संस्कार, किसानों के लिए सामाजिक काम भी रही पहचान**

# चला गया सिनेमा का क्रांतिवीर, नाना पाटेकर नहीं रहे

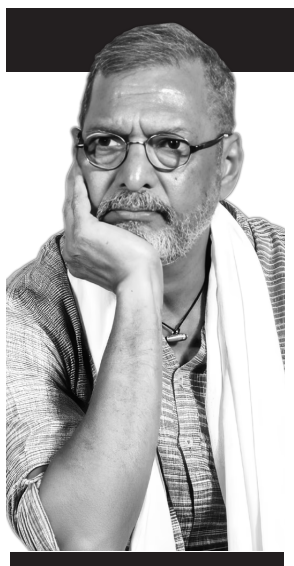

1951-2026

एजेंसी | मुंबई

दिग्गज अभिनेता, रंगकर्मी और फिल्मकार नाना पाटेकर का 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने गोवा के डोना पाउला स्थित अपने आवास पर गुरुवार तड़के अंतिम सांस ली। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें बेहोशी की हालत में मणिपाल अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने करीब 45 मिनट तक उन्हें बचाने के लिए सीपीआर दिया, लेकिन सफलता नहीं मिली। अस्पताल में उन्हें सुबह करीब 5:20 बजे मृत घोषित किया गया।

शुरुआती जानकारी में मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया गया है। उनके निधन की पुष्टि उनके बेटे मल्हार पाटेकर ने की। उनके पार्थिव शरीर को पुणे लाया गया और अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। रात को पुणे के डोंजे गांव स्थित उनके फार्महाउस में उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

इससे पहले महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने पुणे एयरपोर्ट पर नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि दी और शोक प्रकट किया। महाराष्ट्र सरकार ने मराठी रंगमंच और मराठी और हिंदी सिनेमा में उनके योगदान को देखते हुए राजकीय सम्मान देने का निर्णय लिया है। नाना पाटेकर ने 1978 में फिल्म 'गमन' से हिंदी सिनेमा में शुरुआत की थी और मराठी रंगमंच से भी उनका गहरा जुड़ाव रहा।

**यादगार फिल्में:** 'परिंदा', 'अंगार', 'तिरंगा', 'क्रांतिवीर', 'अग्निसाक्षी', 'खामोशी: द म्यूजिकल', 'अब तक छप्पन', 'अपहरण', 'राजनीति', 'वेलकम' और 'नटसम्राट' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदारों को प्रभावशाली ढंग से निभाया। उनकी संवाद अदायगी, तीखा व्यक्तित्व और भावनात्मक अभिनय उनकी विशिष्ट पहचान बने। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत फिल्म जगत की कई हस्तियों ने उनके निधन पर शोक जताते हुए भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को याद किया है।

## • तीन बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 2013 में मिला पद्म श्री सम्मान

*नाना पाटेकर को तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले। 'परिंदा' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता, 'क्रांतिवीर' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और 'अग्निसाक्षी' के लिए फिर सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। उन्हें कई फिल्मफेयर पुरस्कारों के अलावा 2013 में पद्म श्री और महाराष्ट्र सरकार का राज कपूर विशेष योगदान पुरस्कार भी मिला। वह अभिनय के क्षेत्र में फिल्मफेयर की सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ खलनायक श्रेणियों में पुरस्कार जीतने वाले चुनिंदा कलाकारों में रहे।*

**▪ आखिरी फिल्म और आने वाले प्रोजेक्ट:** *उनकी सबसे हालिया रिलीज फिल्म 'सुबेदार' थी, जो मार्च 2026 में रिलीज हुई। इससे पहले वह विशाल भारद्वाज की 'ओ' रोमियो में नजर आए थे। उनकी आगामी फिल्म 'इश्क' बताई जा रही है, जिसमें श्रद्धा कपूर और रणदीप हुड्डा भी हैं। यह फिल्म मराठी लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित है और इसकी प्रस्तावित रिलीज चार दिसंबर 2026 है।*

**▪ किसानों के लिए समर्पित रहे:** *नाना पाटेकर की पहचान केवल अभिनेता की नहीं थी। 2015 में उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ 'नाम फाउंडेशन' शुरू किया। संस्था ने महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में किसानों और ग्रामीण परिवारों की मदद के साथ जल संरक्षण, पुराने जल प्रकल्पों और नहरों के पुनरुद्धार तथा ग्रामीण विकास पर काम किया। संस्था की पहल तत्काल आर्थिक मदद से आगे बढ़कर किसानों को दीर्घकालिक राहत देने पर केंद्रित रही। निधन से कुछ समय पहले भी नाना पाटेकर सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे। 'नाम फाउंडेशन' से जुड़े पदाधिकारियों के अनुसार वह गरीब परिवारों और किसानों की मदद के कामों पर लगातार बात कर रहे थे। उनके निधन से अभिनय की दुनिया के साथ सामाजिक क्षेत्र में भी एक ऐसी शख्सियत का अभाव महसूस होगा, जिसने लोकप्रियता को जरूरतमंद लोगों की मदद से जोड़ने की कोशिश की।*

**▪ सेना के प्रति गहरा सम्मान:** *नाना पाटेकर का भारतीय सेना से भी खास जुड़ाव रहा। वह सैनिकों के जीवन और उनके त्याग को बेहद करीब से समझने के लिए जम्मू-कश्मीर में सेना के साथ समय बिता चुके थे। उन्होंने सैनिकों के बीच जाकर उनके अनुभव सुने और उनके साथ प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया। 2016 में उन्होंने सेना के जवानों के साथ समय बिताते हुए अपनी तस्वीरें साझा की थीं। वह सैनिकों के परिवारों और शहीदों के प्रति सम्मान जताने के लिए भी सार्वजनिक रूप से आवाज उठाते रहे। फिल्मी पर्दे पर भी उन्होंने सैन्य और देशभक्ति से जुड़े किरदार निभाए। उनका मानना था कि सैनिक कठिन परिस्थितियों में देश की सुरक्षा के लिए अपना जीवन दांव पर लगाते हैं और समाज को उनके योगदान को हमेशा याद रखना चाहिए।*

**▪ मौत से पहले दोस्त को किया मैसेज- तबीयत खराब है:** *दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर ने निधन से करीब तीन घंटे पहले अपने मित्र को संदेश भेजकर तबीयत खराब होने की जानकारी दी थी। डॉक्टर शेखर सालकर के अनुसार, नाना ने रात करीब 2:30 बजे मित्र को संदेश भेजा था, लेकिन देर रात होने के कारण मित्र उसे तुरंत नहीं देख सके। बाद में संदेश देखने पर वह करीब चार बजे नाना के गोवा स्थित आवास पहुंचे। उस समय नाना पसीने से लथपथ थे और धीरे-धीरे बेहोश हो रहे थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां करीब 45 मिनट से एक घंटे तक सीपीआर दिया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।*

## न्यूज ब्रीफ

### कनाडा की ऐन कार्सन को साहित्य का नोबेल

**स्टॉकहोम |** कनाडाई लेखिका ऐन कार्सन को 2026 का साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया है। उन्हें प्राचीन ग्रीक-रोमन साहित्य को नए अंदाज में प्रस्तुत करने और लेखन की नई शैलियां विकसित करने के लिए सम्मानित किया गया। कार्सन ने कविता, कहानी और नाटक के तत्वों को मिलाकर भी रचनाएं की हैं। 1950 में टोरंटो में जन्मीं कार्सन ने क्लासिक्स विषय में डॉक्टरेट किया और बाद में कविता लेखन के साथ प्राचीन ग्रीक साहित्य का अनुवाद और अध्यापन किया। उनकी चर्चित कृति 'इरोस द बिटरस्वीट' 1986 में प्रकाशित हुई। उन्होंने सैफो और सोफोक्लीज जैसे प्राचीन यूनानी साहित्यकारों की रचनाओं का अनुवाद भी किया।

### एलपीयू हिंसा में तीन और छात्र गिरफ्तार

**फगवाड़ा|** लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में हुई हिंसा के मामले में फगवाड़ा पुलिस ने तीन और छात्रों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से पकड़ा गया और अदालत में पेश करने के बाद पुलिस रिमांड हासिल किया गया। गिरफ्तार छात्रों की पहचान महाराष्ट्र निवासी बिश्या, बिहार निवासी कृष्णा और राजस्थान निवासी योगेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तीनों पर हिंसा के दौरान वाहनों में तोड़फोड़, सड़क अवरुद्ध करने और छात्रों को भड़काने के आरोप हैं। योगेश को यूनिवर्सिटी के लोअर गेट से पकड़ा गया।

**1,700 से अधिक संस्थान पहले ही जुड़े; स्थानीय स्तर पर रोजगार, भर्ती का समय और लागत घटाने पर जोर**

# पंजाब में 'हुनर' पोर्टल शुरू, उद्योगों को अब एक जगह ही मिलेगा कुशल स्टाफ

समर न्यूज | चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने उद्योगों और कुशल मानव संसाधन के बीच दूरी कम करने के लिए 'हुनर' पोर्टल शुरू किया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उद्योग मंत्री अमन अरोड़ा की मौजूदगी में इस एकीकृत डिजिटल मंच की शुरुआत की। 'हुनर' का पूरा नाम हब फॉर अपस्किलिंग, नेटवर्किंग एंड एक्सेस टू रोजगार है। इसका उद्देश्य उद्योगों, शिक्षण संस्थानों, कौशल विकास केंद्रों और रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को एक मंच पर जोड़ना है।

पोर्टल के जरिए कंपनियां अपनी जरूरत के मुताबिक संबंधित पाठ्यक्रम चलाने वाले संस्थानों की पहचान कर सकेंगी और वहां उपलब्ध विद्यार्थियों या प्रशिक्षित युवाओं की संख्या देख सकेंगी। इसके बाद नियोक्ता अपनी भर्ती जरूरत पोर्टल पर दर्ज कर उम्मीदवारों तक पहुंच बना सकेंगे। इससे कंपनियों को अलग-अलग संस्थानों से संपर्क करने में लगने वाला समय कम होने की उम्मीद है। पोर्टल पर अब तक 1,700 से अधिक संस्थान जोड़े जा चुके हैं।

इनमें औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पॉलीटेक्निक, कॉलेज, विश्वविद्यालय, चिकित्सा और नर्सिंग संस्थान तथा कौशल प्रशिक्षण केंद्र शामिल हैं। 'हुनर' में स्थानीय रोजगार की सुविधा भी रखी गई है। इससे भर्ती की लागत और समय दोनों घटेंगे तथा युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। पोर्टल के माध्यम से इंटर्नशिप, औद्योगिक प्रशिक्षण और उद्योग-शिक्षण संस्थान के बीच दीर्घकालिक सहयोग को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

## • पहले से चल रहे कौशल कार्यक्रमों से जुड़ाव

*सरकार इससे पहले 'हुनर सिख्या स्कूल' कार्यक्रम के जरिए 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को उद्योग की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण देने की पहल कर चुकी है। यह कार्यक्रम 40 सरकारी स्कूलों में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार के लिए जरूरी व्यावहारिक कौशल देना है।*

**▪ निवेश के साथ रोजगार की चुनौती:** *'हुनर' पोर्टल ऐसे समय शुरू हुआ है जब पंजाब में निवेश परियोजनाओं के साथ उद्योगों की कुशल कर्मचारियों की जरूरत भी बढ़ रही है। सरकार के अनुसार पिछले साढ़े चार वर्षों में राज्य में 1.89 लाख करोड़ रुपये के निवेश वाली 2,600 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इस वर्ष करीब 60,000 करोड़ रुपये का निवेश धरातल पर आने की उम्मीद जताई गई है। ऐसे में उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षित युवाओं की उपलब्धता महत्वपूर्ण होगी।*

**▪ 'फास्टट्रैक पंजाब' से जोड़ा गया...** *पोर्टल को 'फास्टट्रैक पंजाब' से जोड़ा गया है। पंजीकृत उद्योग अपने मौजूदा लॉगिन से 'हुनर' तक पहुंच सकेंगे। सरकार की योजना आगे तकनीकी, चिकित्सा, उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण से जुड़े प्रतिभा समूहों को व्यापक रूप से एकीकृत करने की है। मार्च में इसकी शुरुआत के समय विभाग ने इसे विद्यार्थियों, संस्थानों और उद्योगों के बीच साझा मंच के रूप में विकसित करने की बात कही थी।*

## राहुल-प्रियंका ने राजघाट पहुंच दी श्रद्धांजलि; सीईसी के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी | नई दिल्ली

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया ब्लॉक का विरोध प्रदर्शन गुरुवार को तीसरे दिन जारी रहा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत विपक्षी सांसद राजघाट पहुंचे और महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

हालांकि, उन्हें राजघाट परिसर में प्रवेश के लिए करीब एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इस दौरान राहुल गांधी बस में ही बैठे रहे। राजघाट के सभी प्रवेश द्वारों पर पुलिस और सुरक्षाबलों की भारी तैनाती की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत बैरिकेडिंग भी की गई। विपक्षी सांसदों के राजघाट पहुंचने से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वे बापू की समाधि पर जाकर सरकार को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना करेंगे। विपक्षी दल मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं। उनका आरोप है कि इस प्रक्रिया में मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। इसी मुद्दे को लेकर विपक्षी सांसद सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी कर रहे हैं। दिल्ली में पिछले तीन दिनों से विपक्ष के विरोध प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। प्रदर्शन से पहले खड़गे विपक्षी सांसदों के लिए लंच का आयोजन कर रहे हैं। इसके बाद सांसद बसों में सवार होकर प्रदर्शन स्थल की ओर रवाना होते हैं।

गुरुवार को राजघाट पर पहुंचने के बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत अन्य नेताओं ने महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी बीच बुधवार के प्रदर्शन से जुड़े मामले में राहुल व प्रियंका के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने तीन प्राथमिकी दर्ज की हैं। उन पर पुलिसकर्मियों से मारपीट का आरोप है।

## केंद्र ने राजोआना की सजा कम करने की याचिका का किया विरोध

एजेंसी | नई दिल्ली

पूर्व पंजाब मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में मृत्युदंड पाए बलवंत सिंह राजोआना की सजा को उम्रकैद में बदलने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट 28 अक्टूबर को सुनवाई करेगा।

केंद्र सरकार ने बुधवार को राजोआना की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि पंजाब की मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए मृत्युदंड कम करना उचित नहीं होगा। इसके बाद तीन सदस्यीय पीठ ने मामले को गुण-दोष के आधार पर सुनने का फैसला किया। राजोआना की ओर से दलील दी गई है कि उसकी दया याचिका 2012 से राष्ट्रपति के पास लंबित है। याचिका में लंबे समय तक निर्णय नहीं होने को मृत्युदंड को उम्रकैद में बदलने का आधार बताया गया है। उनके वकील पूर्व में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का भी हवाला देंगे। अदालत ने अभी याचिका के गुण-दोष पर कोई राय नहीं दी है।

**▪ बेअंत सिंह हत्याकांड:** *31 अगस्त 1995 को चंडीगढ़ में हुए बम विस्फोट में तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह समेत 17 लोगों की मौत हुई थी। राजोआना को 2007 में विशेष सीबीआई अदालत ने मृत्युदंड सुनाया था, जिसे 2010 में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने बरकरार रखा। राजोआना 30 वर्ष से अधिक समय से जेल में है और करीब दो दशक से मृत्युदंड का सामना कर रहा है। सितंबर में उसने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर दया याचिका पर अंतिम निर्णय लेने का आग्रह किया था।*

## दिनदहाड़े पादरी का कत्ल

**बटाला|** गांधी कैंप में गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे पादरी बलविंदर पाल उर्फ लाडी की घर में घुसकर तेजधार हथियार से हत्या कर दी गई। बताया गया कि दो हमलावर घर में दाखिल हुए और बलविंदर के सिर व गले पर वार किए। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बलविंदर अपने घर में ही चर्च चलाते थे और परिवार के अनुसार अकेले रहते थे। वारदात के बाद हमलावरों के भागने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

## मैड संधू हत्याकांड में एक और पकड़ा, अहमदाबाद से काबू

**अमृतसर।** पंजाबी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मेकअप आर्टिस्ट मैड संधू हत्याकांड में एक और गिरफ्तारी हुई है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने मामले से जुड़े एक आरोपी को गुजरात से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान परमिंदर उर्फ काका के रूप में बताई जा रही है। वह वारदात के बाद अहमदाबाद के अलग-अलग होटलों में छिपकर रह रहा था। आरोपी पर गोली चलाने और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल की व्यवस्था करने में शामिल होने का संदेह है।


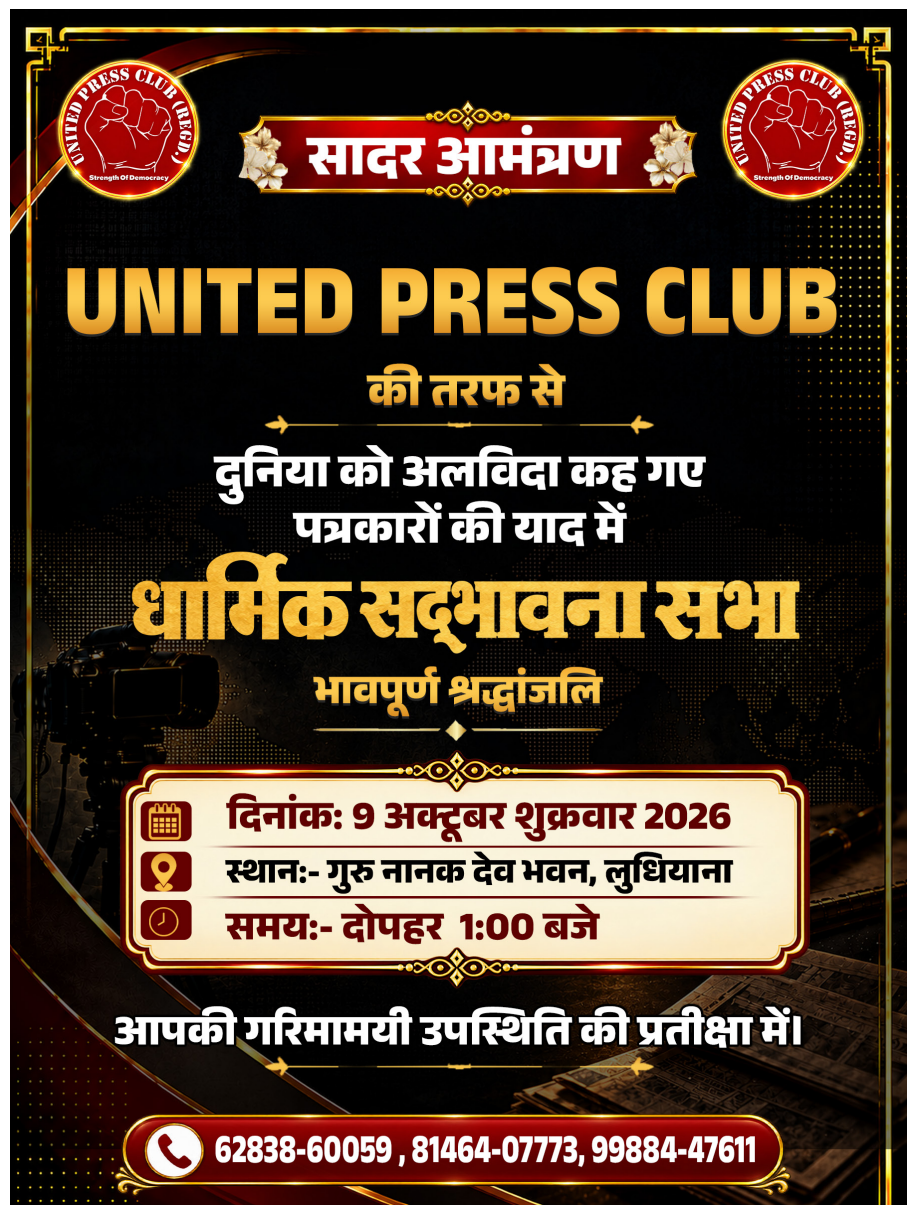



**पेज 1 एंकर स्टोरी**

**ट्रंप प्रशासन ने ओपीटी के लिए 70 हजार डॉलर की फीस सुझाई; भारतीय छात्रों पर खास असर**

# अमेरिका में विदेशी छात्रों के लिए नौकरी महंगी करने का प्रस्ताव

एजेंसी | वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका में काम करने के रास्ते को महंगा करने का प्रस्ताव रखा है।

अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग की ओर से जारी प्रस्ताव में एफ-1 वीजा पर पढ़ाई करने वाले विदेशी छात्रों के लिए पहली बार ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) की सिफारिश करने वाले शिक्षण संस्थान पर 70 हजार डॉलर का शुल्क लगाने की बात कही गई है। इसके बाद छात्र के लिए प्रत्येक अतिरिक्त ओपीटी अवधि की सिफारिश करने पर 30 हजार डॉलर का शुल्क प्रस्तावित है। मौजूदा व्यवस्था में इस प्रक्रिया से जुड़ा शुल्क करीब 500 डॉलर के आसपास है। ओपीटी अमेरिका में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों को अपनी पढ़ाई से संबंधित क्षेत्र में व्यावहारिक काम का अनुभव हासिल करने का अवसर देता है।

सामान्य तौर पर एफ-1 वीजा वाले पात्र छात्रों को स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद एक वर्ष तक अमेरिका में काम करने की अनुमति मिलती है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित यानी एसटीईएम विषयों में डिग्री लेने वाले पात्र छात्रों को इसके अतिरिक्त 24 महीने का विस्तार मिल सकता है। इस तरह एसटीईएम छात्रों को कुल तीन वर्ष तक संबंधित क्षेत्र में काम करने का अवसर मिल सकता है।

## • भारतीय छात्रों पर बड़ा असर

*प्रस्ताव का असर भारतीय छात्रों पर विशेष रूप से पड़ने की आशंका है। 2024-25 के दौरान अमेरिका में करीब 3.63 लाख भारतीय छात्र अध्ययन कर रहे थे। भारतीय छात्र बड़ी संख्या में एसटीईएम पाठ्यक्रमों में भी दाखिला लेते हैं और ओपीटी के माध्यम से पढ़ाई के बाद काम करने वाले विदेशी छात्रों में उनकी हिस्सेदारी महत्वपूर्ण है।*

*ऐसे में यदि विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों को प्रत्येक छात्र के ओपीटी के लिए इतनी बड़ी राशि देनी पड़ी, तो संस्थानों के लिए विदेशी छात्रों को यह सुविधा उपलब्ध कराना महंगा हो सकता है। इसका असर अप्रत्यक्ष रूप से छात्रों पर भी पड़ सकता है।*

*संस्थान अतिरिक्त लागत की भरपाई के लिए शुल्क बढ़ा सकते हैं या ओपीटी की सिफारिश करने से बच सकते हैं। इससे अमेरिका में पढ़ाई के बाद रोजगार हासिल करने की योजना बना रहे भारतीय छात्रों के विकल्प सीमित हो सकते हैं। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अंतिम नियम लागू होने पर सभी संस्थानों और सभी ओपीटी मामलों पर शुल्क कैसे लागू होगा।*

**• सरकार ने बताए ये कारण...**

*ट्रंप प्रशासन का कहना है कि ओपीटी व्यवस्था में धोखाधड़ी, गलत इस्तेमाल और नियमों के उल्लंघन को रोकना जरूरी है।*

*सरकार के अनुसार प्रस्ताव का एक उद्देश्य आवंटन व्यवस्था को मजबूत करना और यह सुनिश्चित करना भी है कि विदेशी छात्रों के लिए बनाई गई कार्य-अनुमति व्यवस्था का इस्तेमाल अमेरिकी कामगारों के हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए न हो।*

**• अभी अंतिम फैसला नहीं:** *यह प्रस्ताव फिलहाल अंतिम नियम नहीं है। अमेरिकी सरकार इस पर सार्वजनिक टिप्पणियां आमंत्रित करेगी। शिक्षण संस्थानों, छात्रों, उद्योग संगठनों और अन्य संबंधित पक्षों की राय लेने के बाद प्रशासन अंतिम नियम जारी करेगा। इसलिए प्रस्तावित 70 हजार और 30 हजार डॉलर की फीस में बदलाव की संभावना बनी हुई है।*

*प्रस्ताव में ओपीटी व्यवस्था की निगरानी और अनुपालन को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया है।*

*प्रशासन का तर्क है कि विदेशी छात्रों को पढ़ाई के बाद काम करने की सुविधा अमेरिकी अर्थव्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी है, इसलिए इसके संचालन में अधिक जवाबदेही और निगरानी की जरूरत है।*